

मिथुन राशि

वर्ष भर मिथुन राशि पर शनि की ढैया का प्रभाव रहेगा तथा केतु का मिथुन राशि पर संचरण रहेगा। मिथुन का स्वामी बुध है। इस राशि के जातक प्रायः लम्बे कद, गौरवर्ण, बड़ी नाक वाले होते हैं। यह जातक मधुरभाषी, चतुर, भोगी-विलासी, सर्व प्रिय, अधिक भोजन करने वाला होते हैं। कोमल स्वभाव के कारण इन्हें कमजोर समझा जाता है। यदि कुछ गलत करते हैं तो अपने हाथ-पैर बचाकर करते हैं। ये लोग व्यवसाय के स्थान पर नौकरी में ही सफल हो पाते हैं। इस राशि वालों को अनिद्रा व पेट की बीमारी का भय रहता है।

पूरे वर्ष भर स्वास्थ्य में कमी, धन में अपव्यय एवं गुप्त चिन्ताएं भी रहेंगी। वर्ष में बृहस्पति मई तक आपकी राशि से नवम में रहेगा, यह स्थिति कुछ सीमा तक आपके सुखों में वृद्धि करेगी। नये कार्य आरम्भ होने के योग बन रहे हैं। घर में नये वस्तुओं का क्रय भी सम्भव है। अविवाहितों के विवाह होने की सम्भावना है। मई से नवम्बर के मध्य किसी सम्बन्धी का विछोह हो सकता है। काम-काज में अनुकूल परिणाम आने की सम्भावना नहीं है। कोई भी कार्य शुरू करने से पहले सब सोच-समझकर ही कार्य करें। शनि की ढैया के कारण स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष अच्छा नहीं है। शनि चौथे स्थान पर है, रात को दूध पीना बीमारी देगा। इस वर्ष हो सके तो भवन का निर्माण न कराएं। भवन निर्माण करने से माता को कष्ट हो सकता है। परायी स्त्री पर धन खर्च करना या स्त्री का कबूतरबाजी करना धन को समाप्त कर देना है। उपाय में चन्द्रमा की वस्तुएं (चावल या दूध) कुएं में गिराएं, चन्द्र के प्रभाव को उच्च करेगा।

केतु का मिथुन राशि पर संचरण भी शारीरिक सुख के लिए अच्छा नहीं है। इस वर्ष शारीरिक स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट होते रहेंगे, विशेषकर वात-पित्त सम्बन्धी उत्पन्न विकारों से कष्ट हो सकता है। रक्त विकार की सम्भावनाएं भी हो सकती हैं, अतः खान-पान में ध्यान रखें। समय-समय पर चिकित्सक से परामर्श लेते रहें। धन-सम्पत्ति के बढ़ने की सम्भावना भी कम ही है। भूमि सम्बन्धी कार्य में हानि हो सकती है। घर-परिवार में तनाव तो पहले से ही चल रहा है, इस वर्ष जनवरी से मई तक मंगल की स्थिति द्वितीय भाव में है, इसका उपाय अवश्य करें। भाइयों और मित्रों की सहायता से ही मंगल शुभ फल देना आरम्भ करेगा। मंगल का उपाय मई तक ही करें। पारिवारिक शान्ति और आपसी सम्बन्धों में भी तभी ही मधुरता आयेगी। साथ-साथ क्रोध और वाणी पर भी संयम रखें, तभी स्थितियाँ आपके पक्ष में होंगी।

इस वर्ष जून से नवम्बर तक बृहस्पति की स्थिति दशम भाव में रहने से समय-समय पर अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उच्चाधिकारी व सरकारी लोगों की

www.vedicrishi.in

उपेक्षा न करें। दिसम्बर से बृहस्पति की स्थिति नवम भाव में सब कार्य ठीक करेगी। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आवास आदि परिवर्तन की सम्भावना है। इस वर्ष दूर की यात्राएं कम ही होंगी, परन्तु पास की यात्राएं होती रहेंगी। सप्तम में राहु आपको तीर्थ स्थान की यात्रा करवा सकता है।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

कुछ उपाय निम्नलिखित हैं-

1. प्रत्येक शनिवार को एक नारियल शिवजी के मन्दिर में चढ़ायें तथा कम से कम एक माला “ॐ नमो शिव रुद्राय” की करें।
2. मांस, अण्डा तामसिक भोजन छोड़ दें।
3. शुक्ल पक्ष के बुधवार को कन्या पूजन अवश्य करें। कन्याओं को नारियल की बरफी दें।
4. जनवरी से मई तक रेवड़ियाँ या बतासे पानी में बहायें।
5. शनि के उपाय वर्ष भर करें। सरसों का तेल, उड़द और काले कपड़े का दान करें। कृष्ण पक्ष के शनिवार को सूखा नारियल लेकर काला धागा लपेट कर अपने सिर पर तीन बार स्पर्श कराकर शनि का बीज मन्त्र पढ़कर शाम के समय बहते पानी में बहायें।